Subject – Bus. Eco. & Environment

Lecture – 2nd & final

Ques → Describe Scope of Business Economics

Ans → व्यावसायिक अर्थशास्त्र का क्षेत्र

Scope of Business Economics

व्यावसायिक अर्थशास्त्र भी एक नई शाखा है और अभी अपने विकास की शैशवी अवस्था में है। इस विषय का विकास मुख्यतः द्वितीय विश्व युद्ध के साथ-साथ हुआ है। इसके क्षेत्र के अन्तर्गत निम्नलिखित में व्यावसायिक अर्थशास्त्र के क्षेत्र के अन्तर्गत निम्नलिखित शीर्षकों को शामिल किया जाता है —

1, मांग विश्लेषण तथा मांग का पूर्वानुमान :- इस विषय के अन्तर्गत मांग का विश्लेषण विस्तार से किया जाता है जिसमें i, मांग निर्धारण शक्तियां, ii, मांग की लोच, iii, मांग का नियम, iv, मांग-विभेद आदि प्रमुख है।

मांग का पूर्वानुमान व्यवसाय की प्रकृति तथा सफलता के लिए अति आवश्यक होता है। इसके अन्तर्गत सांख्यिकी तथा गणित की विधियों का प्रयोग होता है।

2, उत्पादन एवं लागत का विश्लेषण — उत्पादन विश्लेषण भौतिक रूप में होता है परन्तु लागत विश्लेषण हमेशा मौद्रिक रूप में होता है। लागत विश्लेषण के अन्तर्गत जिन तथ्यों का अध्ययन किया जाता है, वे इस प्रकार है — i, लागत अवधारणा तथा वर्गीकरण, ii, लागत-उत्पादन संबंध, iii, उत्पादन फलन, iv, उत्पादन के पैमाने से सम्बन्धित मितव्ययिताएं, एवं v, रेखीय कार्यक्रम

3, मूल्य निर्धारण नीतियां एवं व्यवहार – मूल्य निर्धारण व्यावसायिक अर्थशास्त्र का एक महत्वपूर्ण अंग है। एक फर्म की सफलता उसकी सही मूल्य नीति पर निर्भर करती है। इसके अन्तर्गत निम्न तथ्यों का अध्ययन होता है — i, विभिन्न प्रतियोगी दशाओं में मूल्य निर्धारण, ii, व्यावसायिक फर्मों की मूल्य-नीतियां, iii, मूल्य निर्धारण की वैकल्पिक पद्धतियां, iv, मूल्य विभेद-नीति, v, उत्पादन श्रेणी, मूल्य निर्धारण और मूल्यों के पूर्वानुमान।

4, पूंजी प्रबन्ध — व्यवसाय की सफलता का आधार पूर्णतः पूंजी प्रबन्ध की क्षमता पर निर्भर होता है।

P.T.O.

Ref No. पूंजीपत से व्यवसाय कार्यरत, निवेश तथा प्रगति संभव है। बहुत से व्यापारियों को व्यापार में पूंजी की अधिकता अथवा पूंजी की कमी के कारण असफलता का सामना करना पड़ता है, अत: पूंजी का प्रबन्ध व्यावसायिक अध्ययन का अत्यन्त - महत्वपूर्ण क्षेत्र है।

5. लाभ - प्रबन्ध :-> प्रत्येक उत्पादक एवं व्यावसायिक फर्म का उद्देश्य अपने लाभ को अधिकतम करना होता है। व्यवसाय की सफलता का आंकलन उसके लाभों से ही होता है। कुल आगमों और कुल व्ययों के अंतर को लाभ कहते हैं। व्यावसायिक अर्थशास्त्र में लाभों को प्रभावित करने वाले सभी आन्तरिक एवं बाहरी घटकों पर विचार करके सही भविष्यवाणी करने का प्रयत्न होता है।

6. उपभोक्ता व्यवहार का अध्ययन — व्यावसायिक अर्थशास्त्र के अन्तर्गत उपभोक्ता के व्यवहार का अध्ययन भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उपभोक्ता की इच्छा, वरीयता आदि का अध्ययन इसके अन्तर्गत किया जाता है।

7. बाजार का अनुसन्धान -> बाजार का अध्ययन करना भी व्यावसायिक अर्थशास्त्र का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसके अन्तर्गत विज्ञापन, विक्रय - कला, मध्यस्थ, एवं वितरण पद्धति आदि प्रमुख विषयों का अध्ययन होता है।

8. परियोजना मूल्यांकन -> जब व्यावसायिक फर्म की परियोजना का मूल्यांकन होता है तो फर्म की विभिन्न योजनाओं की उपयुक्तता या कमियों का पता चलता है। अत: इसके अन्तर्गत आदान-प्रदान विश्लेषण, मांग एवं लागत विश्लेषण के आधार पर फर्म के उपयुक्त आकार, साधनों का अनुकूलतम संयोग, मूल्य निर्धारण नीतियां और व्यवहार में सामंजस्य, क्रियात्मक शोध, प्रत्येक कार्यक्रम, सामग्री नमूना, क्रीड़ा सिद्धांत आदि का अध्ययन किया जाता है।

H.O.-NICE, 504 Adharshila Complex South Gandhi Maidan, Patna-1
Phone -0612-689263.

The End